

# Pelvic Fracture

A pelvic fracture is when 1 or more hipbones are cracked or broken. Your hips or pelvis is made up of 5 bones. Many pelvic fractures are caused by:

- Car accidents
- Falling from a great height
- Minor falls, injuries or sudden movement causing the muscle to tear away a piece of the hipbone.

If you had an accident or other injury, you may have tests to see if you have injuries to your other bones or organs.

## Signs of a Pelvic Fracture

- Bruising and tenderness
- Swelling
- Numbness or tingling in your genital area or in your upper leg
- Discomfort or pain when you stand

# श्रोणि अस्थि भंग (पेल्विक फ्रैक्चर)

जब कमर की 1 या अधिक हड्डियां चिटक जाती हैं या टूट जाती हैं तो उसे पेल्विक फ्रैक्चर कहा जाता है। बहुत-से पेल्विक फ्रैक्चर इनका नतीजा होते हैं:

- कार दुर्घटना
- काफी ऊंचाई से गिरने
- हल्के से गिरने, चोट लगने या आकस्मिक गति जिससे पेशियां कमर की किसी हड्डी को नोच कर अलग कर देती हैं।

अगर आपके साथ कोई दुर्घटना हो गयी थी या किसी और तरह से चोट लग गयी थी तो यह पता लगाने के लिए आपकी जांच की जायेगी कि कहीं आपकी दूसरी हड्डियों या अंगों में चोट तो नहीं लगी है।

## पेल्विक फ्रैक्चर के लक्षण:

- गुमटा पड़ना, सुकोमल हो जाना
- सूजन
- आपके योनि प्रदेश में सुन्नपन या पैरों के ऊपरी हिस्से में झुनझुनी होना
- खड़े होने पर परेषानी या दर्द

## **Your Care**

Your pelvic fracture may need to be fixed with surgery or by putting pins into the bones from the outside. If you have other injuries, these may also be fixed during surgery. After you leave the hospital, you may need:

- Blood thinner medicine to prevent blood clots
- To limit your activity for several months
- A cast, crutches or a walker to help your hip heal
- Physical therapy to help your bones heal better and strengthen your muscles

Call your doctor **right away** if:

- You have sudden chest pain and trouble breathing.
- Your skin is itchy, swollen or has a rash.
- Your pain and swelling increase.
- You have a fever over 101 degrees F.

**Talk to your doctor or nurse if you have any questions or concerns.**

## आपकी देख भाल

षल्य क्रिया करके या बाहर से आपकी हड्डी में पिन चुभो कर आपके पेल्विक फ्रैक्चर को बैठाना होगा। अगर आपको और कहीं चोट लगी है तो षल्य क्रिया के दौरान उनका भी उपचार किया जायेगा। अस्पताल छोड़ने के बाद आपको निम्न की जरूरत पड़ सकती है:

- खून का थक्का जमने से रोकने के लिए खून पतला करने वाली दवाइयां
- कई महीने के लिए अपनी गतिविधियां सीमित करना
- अपनी कमर का घाव भरने में सहूलियत के लिए पलस्तर चढ़ाने, बैसाखी या वॉकर का उपयोग करना
- आपकी हड्डियों के घाव के बेहतर (ढंग से भरने और पेशियों की मजबूती के लिए भौतिकोपचार

अपने डाक्टर से **तुरंत** संपर्क करें अगर:

- आपकी छाती में अचानक दर्द होने लगे और सांस लेने में परेशानी हो।
- आपकी त्वचा में खुजली होने लगे, सूजन आ जाये या छाले पड़ जायें।
- आपका दर्द और सूजन बढ़ जाये।
- 38° C (101° F) से ज्यादा बुखार हो जाये।

अगर आपके मन में पेल्विक फ्रैक्चर को लेकर कोई सवाल है या आप किसी चीज को लेकर चिंतित हैं तो अपने डॉक्टर या नर्स से बात करें।

2/2008. Developed through a partnership of The Ohio State University Medical Center, Mount Carmel Health and OhioHealth, Columbus, Ohio. Available for use as a public service without copyright restrictions at [www.healthinfotranslations.org](http://www.healthinfotranslations.org).